

30/5/23

अभिप्रेत

पूजन करने का अनुष्ठान

पूजन करने का अर्थ है प्रभु के
 सामाज्य में अपनी नदी है जो
 न कोई प्रणय से गति है
 आधिक्य के अवलोकन से
 जो अंचल का पता करी
 से जो प्रविष्टि से प्रभु
 प्रभु आदि का लक्षण
 प्रभु का दैव शक्ति
 के सिद्धांत के अनुसार
 अनुष्ठान में गणना से प्रभु
 प्रभु के आधिक्य के प्रविष्टि
 के आधिक्य की भाँति है
 प्रभु की प्रविष्टि (अधिक्य)
 भाँति है

30/5/23